5. This will provide an impetus for exports and imports from Kandla port by providing a convenient mode of transport from northern India.

Pathankot and Suratgarh farm in Ganganagar district are already connected by a broad gauge line. The railway segment from Suratgarh to Bikaner is already sanctioned by the Defence Department and is under construction. The railway administration should expedite the construction of this segment and then take up the survey of the Bikaner-Jaisalmer segment. Survey and construction work on the remaining segment of the Pathankot-Kandla line should be taken up early during the seventh Five-Year plan.

(II) NEED FOR CONSTRUCTING OVERBRIDGE AT RAILWAY CROSSING OF ENTRY ROAD TO PILIBHIT IN U. P.

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : मान्यवर, पीलीभीत (उत्तर प्रदेश) नगर में प्रवेश के नियमित एकमेव मार्ग पर एन० ई० आर० के रेलवे क्रासिंग पर पीलीभीत स्टेशन के दक्षिण की ओर कोई ओवर ब्रिज नहीं बना है। इस क्रासिंग पर बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, पुरनपुर, पिथौरागढ़, अलमोड़ा आदि अनेक स्थानों से ट्रक, बस मोटर आदि का भारी यातायात रहता है। ओवर ब्रिज न होने से यातायात व परिवहन के इन साधनों को एक घंटे से भी अधिक उस समय खड़ा रहना पड़ता है जब रेल के आगमन के कारण रेलवे क्रासिंग बन्द हो जाता है। परिणामस्वरूप आवागमन में भारी कठिनाई तथा देरी होती है। पहाड़ी क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण यहां बस व ट्रक ही यातायात व माल ढोने के बड़े साधन हैं।

मैं माननीय रेल मंत्री से आग्रहपूर्वक मांग करता हूं कि वे उक्त स्थान पर ओवरब्रिज बनाने का आदेश देने की कृपा करें।

13.15 hrs.

[DR. RAJENDRA KUMARI BAJPAI *in the chair*].

(III) IMPLEMENTATION OF POLICY OF COMPULSORY AND FREE PRIMARY EDUCATION.

श्री भीखाभाई (बांसवाड़ा) : इस वर्ष शिक्षक दिवस पर प्राथमिक शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए राष्ट्रीय अभियान की घोषणा की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु प्राथमिक शिक्षा को सबके लिए अनिवार्य बनाने पर जोर दिया। भारतीय संविधान में सबको नि:शुल्क शिक्षा देने व उसे अनिवार्य करने के निर्देश हैं व उसी को लक्ष्य करके उसके इस ज्ञान के प्रकाश को पूरे देश में फैलाने के लिए ज्ञान दीप प्रज्जवलित करने का आह्वान किया गया।

देश में शायद ही ऐसे लोग होंगे जो अपने बच्चों को शिक्षा दिलाना नहीं चाहते और इस दृष्टि से इस अभियान को सफलता मिलने में कोई सन्देह नहीं हो सकता। आकांक्षाओं के आधार पर तो देश में अब तक अधिकांश लोग शिक्षित हो चुके होते। परन्तु आकांक्षाएं भी सब कुछ नहीं हैं। वे एक सीमा तक सामाजिक व आर्थिक बाध्यता से ग्रसित हैं। देश की बड़ी आबादी गरीबी की सीमारेखा से नीचे जीवन-यापन कर रही है तथा इसमें प्रति वर्ष वृद्धि होती जा रही है। इन लोगों में बड़ी संख्या में पूरा परिवार कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम में लगा रहता है। उनमें यह सामर्थ्य नहीं होती कि वे अपने सरक्षण में पलने वाले बच्चों की नियमित आवश्यकता की पूर्ति कर सके। वे यह भी ध्यान नहीं दे सकते कि उनके बच्चे स्कूल जा रहे हैं या नहीं ?

[श्री भीखा भाई]

कोई भी अभियान नारों से ही नहीं चल सकता। उसके लिए आवश्यक उपकरण और निष्ठावान कार्यकर्ता भी चाहिएं। फिर इस समय न तो पर्याप्त स्कूल हैं और न उन शालाओं के लिए शिक्षक उपलब्ध हैं। उन को निष्ठावान बनाने के लिए सामान्य सुख सुविधाओं का भी अभाव है।

1990 तक सभी को शिक्षित करने का लक्ष्य तो महान है परन्तु इस महान लक्ष्य की चुनौतीं का सामना करने के लिए महान उद्देश्य से प्रेरित लोगों को आगे लाना होगा। समाज में उनके कार्यों को उचित सम्मान देना होगा। किसी भी अभियान की सफलता उसको अधिक से अधिक सामाजिक रूप से सम्बद्ध करने से ही हो सकती है।

(IV) NEED FOR EARLY CONSTRUCTION OF JAKHPURA – BANSPANI LINE TO REDUCE THE COST OF TRANSPORTING IRON ORE

*SHRI A. C. DAS (Jaipur) : A serious situation has arisen in Orissa due to the sharp decline in the export of iron ore through Paradip port. Orissa abounds in mineral wealth and it mainly exports high grade iron ore through this port. But it is a matter of great regret that the export of iron ore has declined in the last few years. The reasons are not far to seek.

MMTC buys iron ore from Banspani Barbil sector and takes it to Paradip port. Trucks are the only means of transport as adequate rail transport facility is not available between Banspani and Paradip. In the process MMTC has to bear high cost of transport charges. At Paradip port wagon trippler has not been installed. The present loading is not satisfactory and the rate of export duty is very high. It is not favourable and remunerative to MMTC. The combined effect of all these factors together with reduction in off-take of iron ore by the MMTC from the mine-owners has adversely affected iron ore mining trade in Orissa and this has led to the closure of a few mines and fall in production. Thousands of workers, most of whom are tribals, have been thrown out of employment. Unless immediate steps are taken to reduce the export duty, the MMTC will suffer further loss. The facilities at Paradip Port have to be improved substantially. The loading work should be increased. Ministry of Commerce should co-ordinate with the Ministry of Railways to expedite the construction of the Jakhpura-Banspani line which alone can reduce the cost of transport. I appeal to the Minister of Commerce to intervene in the matter and extend all possible help to increase the export of iorn ore through Paradip Port.

(V) NEED TO INCRREASE PRODUCTION OF PULSES.

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : ऐसा प्रतीत होता है कि देश में दालों के उत्पादन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भारत की अधिकांश जनसंख्या शाकाहारी है और प्रधानतया दाल ही उसके प्रोटीन का स्रोत है। इसे Poormen's seat कहा जाता है। दालों में 20 से 25% तक प्रोटीन पाया जाता है। यह चिन्ता का विषय है कि देश में प्रति व्यक्ति दालों की उपलब्धि दिनों-दिन कम होती जा रही है। दालों की उपलब्धि, जो द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल में 68 ग्राम थी, पांचवी पंचवर्षीय योजना काल में घटकर 44 ग्राम रह गयी है। दाल आज गरीबों के पहुंच के बाहर हो गई है। इसकी कीमतों में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। खरीफ की स्थिति को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि ये कीमतें निरन्तर बढ़ती ही जायेंगी। अतएव उत्पादन वृद्धि की ओर ध्यान देने के साथ ही साथ इस बात का प्रयास आवश्यक है कि दालें गरीबों को उचित मूल्य पर उपलब्ध हो सकें।

दुर्भाग्यवश हमारे यहां दालों का अधिकांश क्षेत्रफल असिंचित है। इस क्षेत्र-

* The original speech was delivered in Oriya.